कक्षा - 12वीं

पाठ्यपुस्तक

वितान, भाग - 2

पाठ का नाम - डायरी के पन्ने

लेखिका – ऐन फ्रैंक

कार्य पत्रक

1. **प्रश्न** -

   'यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज हैं। एक ऐसी आवाज, जो संत या किसी कवि का नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की हैं।" इल्या इहरनबुर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में पठित अंशों पर विचार करें।

उत्तर –

इल्या इहरनबुर्ग ने जो कहा वह बिलकुल सही कहा। यहूदियों की संख्या 60 लाख थी। सभी जुल्म सहने को मजबूर थे। किसी में विरोध करने का साहस नहीं था। लेकिन 13 वर्ष की लड़की ऐन फ्रैंक ने यह साहस किया। नाजियों द्वारा किए जाने वाले अत्याचारों को लिपिबद्ध किया। यह डायरी नाजियों की क्रूर मानसिकता का परिचय देती है। अकेली लड़की ने कुछ पृष्ठों के द्वारा 60 लाख यहूदियों का प्रतिनिधित्व किया। एक ऐसी आवाज़ यहूदियों के पक्ष में बोली जो इस सारे यंत्रणाओं की खुद स्वीकार थी। ऐन फ्रैंक की आवाज़ किसी भी संत या कवि की आवाज़ से कहीं अधिक सशक्त है।

2. **प्रश्न** -

   'काश, कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता। अफसोस, ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला .। " क्या आपको लगता है कि ऐन के इस कथन में उसके डायरी-लेखन का कारण छिपा हैं?

उत्तर –

ऐन एक साधारण लड़की थी। वह अपनी पढ़ाई सामान्य ढंग से करती थी, परंतु उसे सबसे अक्खड़ माना जाता था। उसे हर समय डाँट-फटकार सहनी पड़ती थी। वह एक जगह लिखती भी है-"मेरे दिमाग में हर समय इच्छाएँ, विचार, आशय तथा डॉट-फटकार ही चक्कर खाते रहते हैं। मैं सचमुच उतनी घमंडी नहीं हूँ

जितना लोग मुझे समझते हैं। मैं किसी और की तुलना में अपनी नयी कमजोरियों और खामियों को बेहतर तरीके से जानती हूँ।" एक अन्य स्थान पर वह लिखती है-"लोग मुझे अभी भी इतना नाकघुसेड़ और अपने आपको तीसमारखाँ समझने वाली क्यों मानते हैं?" वह यह भी लिखती है-"कोई मुझे नहीं समझता" इस प्रकार ऐन की टिप्पणियों से पता चलता है कि अज्ञातवास में उसे समझने वाला कोई नहीं था।

वह स्वयं को बदलने की कोशिश करती थी, परंतु फिर किसी-न-किसी के गुस्से का शिकार हो जाती थी। उपदेशों, हिदायतों से वह उकता चुकी थी तथा अपनी भावनाएँ 'किट्टी' नामक गुड़िया के माध्यम से व्यक्त की। हर मामले पर उसकी अपनी सोच है चाहे वह मिस्टर डसेल का व्यक्तित्व ही या महिलाओं के संबंध में विचार। अकेलेपन के कारण ही उसने डायरी में अपनी भावनाएँ लिखीं।

3. **प्रश्न –** पाठ्यपुस्तक के अन्त में दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

4. **प्रश्न -** ऐन की डायरी से उसकी किशोरावस्था के बारे में क्या पता चलता है। 'डायरी के पन्ने' कहानी के आधार पर लिखिए।

उत्तर ----------

---

5. **प्रश्न -** "डायरी के पन्ने' पाठ के अपर पर महिलाओं के बारे में ऐन फ्रैंक के विचारों पर प्रकाश डालिए।

   उत्तर ----------

   ---

6. **प्रश्न -** ऐन फ्रैंक कौन थी।' उसकी डायरी क्यों प्रसिद्ध है ?

उत्तर – ----------

---

7. **प्रश्न -** ऐन की डायरी के माध्यम से हमारा मन सभी युद्ध-पीड़ितों के लिए कैसा अनुभव करता है? 'डायरी के पन्ने कहानी के आधार पर बताइए।

उत्तर –----------

---

8. **प्रश्न -**'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि ऐन फ्रैंक बहुत प्रतिभाशाली तथा परिपक्व थी?

उत्तर –

9. **----------**

- **प्रश्न-4:** 'डायरी के पन्ने' पाठ की लखिका के ये शब्द-'स्मृतियाँ मेरे लिए पोशाकों की तुलना में ज्यादा मायने रखती हैं।' - आशय स्पष्ट कीजिए ।

  उत्तर ----------

  ---

10. **प्रश्न-** 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर ऐन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

  उत्तर –----------